।। कलयुगी प्रश्न ।।

सभी कुछ बिकाऊ होगा तो खरीदेगा कौन?
इज्ज़त भी कोई चीज़ है बतलायेगा कौन?

हर घर की चौखट पे जब झनकेगा ताल-घुंघरू,
मस्जिद-मंदिरों में हाजिरी तब लगाएगा कौन?

मासूमों के नाज़ुक चेहेरों पे एक ही सवाल होगा,
इस भीड़ में बाप का पता मुझे बतलायेगा कौन?

हर कोस जहाँ मांस-मदिरा, कोस-कोस हो अड्डा,
अन्तरावलोकन की कला को सिखलाएगा कौन?

अहम् का गुणगान जहाँ स्वयंसेवक हो लुप्त वहां,
व्यक्ति-निर्मिती के कार्य को आगे बढ़ाएगा कौन?

चिराग में मेरे तेल अब बाकी नहीं रहा सामीरा,
इस आंधी में मुझे सही राह दिखलायेगा कौन?

सभी कुछ बिकाऊ होगा तो खरीदेगा कौन?
इज्ज़त भी कोई चीज़ है बतलायेगा कौन?